हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 13 : जौनपुर, शनिवार 07 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

रक्त दान के लिए जागरुकता लाने की जरुरत, एक यूनिट ब्लड से कई लोगों की बचाई जा सकती है जान : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन एंड इम्यूनोहेमेटोलॉजी (आईएसबीटीआई), ट्रांसकॉन 2023 के 48वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि 17 सितम्बर 2023 से 02 अक्टूबर 2023 तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत "रक्तदान–महादान कार्यक्रम में लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। सीएम ने कहा कि एक यूनिट ब्लड से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में

उत्तर प्रदेश सरकार ने बेहतर काम करके दिखाया है, जो लोगों के लिए एक मिसाल है। सीएम ने कहा कि आज भी देश के अस्पताल में ब्लड की कमी है। ये सिर्फ जागरूकता की कमी के वजह से है, हम रक्तदान के बारे में आज भी लोगों को जागरूक नहीं कर पा रहे है। उन्होंने कहा कि हम आज टेक्नोलॉजी के माध्यम से हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। केजीएमयू देश के पुराने चिकित्तसा संस्थानों में से एक जहां पर 4000 बेड उपलब्ध है। सीएम ने कहा कि केजीएमयू ओपीडी में जितना मरीजो को इलाज होता है उतना कितने छोटे देशो की आवादी होगी। उन्होंने कहा कि एक डॉक्टर बोलता है तो उसकी बात को गंभीरता से लोग सुनते है। आज कही न कही जागरुता के की कमी है। सीएम योगी हम अंग दान करके किसी का जीवन बचा सकते है इसके बारे में भी जागरुपकता लाने की जरुत है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत हो गई है हमरी संवेदनाए उसके साथ है, लेकिन उसके किसी अंग का उपयोग करके हम किसी की जान बचा सकते है, लेकिन जानकारी के अभाव में हम ऐसा नहीं कर पाते है। इस दिशा में हमे काम करने की जारुरत है। किसी व्यक्ति के शरीर का कोई अंग दान करना अंगदान कहलाता है। यह अंग किसी दूसरे व्यक्ति के शरीर में ट्रांसप्लांट किया जाता है। इसके लिए डोनर के शरीर से दान किए गए अंग को ऑपरेशन के द्वारा निकाला जाता है। शरीर के अंगों के अलावा ऊतकों को भी दान कर सकते हैं। शरीर के अंगों में यकृत, गुर्दे, अग्नाशय, हृदय,फेफड़े और आंत का दान किया जाता है। वहीं, शरीर के ऊतकों में कॉर्निया (आंख का भाग), हड्डी, त्वचा, हृदय वाल्व, रक्त वाहिकाएं, नस, कण्डरा और कुछ अन्य ऊतकों को भी दान कर सकते है।

अमित शाह का 7 अक्टूबर को उत्तराखंड दौरा, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

एजेन्सी

देहरादून। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सात अक्टूबर को एक दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड आ रहे हैं। इसे देखते हुए देहरादून में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की जा रही है। साथ ही ट्रैफिक को लेकर भी प्लान जारी किया गया है। गृहमंत्री के दौरे के दौरान किसी भी तरह की कोई चूक न हो इसका खास तौर पर ध्यान रखा जा रहा है। इतना ही नहीं देहरादून में सड़कों के किनारे लटक रहे तारों को भी हटाने का काम किया जा रहा है। अमित शाह इस दौरान टिहरी जिले के नरेंद्र नगर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में हिस्सा लेंगे। वहीं इस बैठक में चार राज्यों के मुख्यमंत्री भी शिरकत करेंगे। वहीं गृह मंत्री के दौरे के मद्देनजर एसएसपी अजय सिंह ने सुरक्षा में नियुक्त पुलिस बल को ब्रीफ किया। कार्यक्रम स्थल पर केवल अधिकृत व्यक्तियों व उनके वाहनो को ही जाने की अनुमति दी जाए। साथ ही कार्यक्रम स्थल और आस पास के क्षेत्रों में बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने पर भी पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। यदि ड्रोन से कार्यक्रम की कवरेज की जानी हो तो उसे पहले अनुमति लेनी होगी। इसके साथ ही पुलिस बल को निर्देशित किया कि ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग न किया जाए और न ही बिना बताये ड्यूटी प्वांइट को छोडा जाये। ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर सम्बन्धित पुलिस कर्मी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

न्यूजक्लिक के संपादक व एचआर प्रमुख की गिरफ्तारी के खिलाफ सुनवाई के लिए तैयार हाई कोर्ट

एजेन्सी

नयी दिल्ली। उच्च न्यायालय शुक्रवार को न्यूजक्लिक के

संस्थापक–संपादक प्रबीर पुरकायस्थ और मानव संसाधन प्रमुख अमित चक्रवर्ती की गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया। दोनों ने आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत दर्ज मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की खंडपीठ के समक्ष इस पर तत्काल सुनवाई का आग्रह किया। सिब्बल ने कहा, गिरफ्तारी अवैध तरीके से और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का उल्लंघन करते हुए की गई है। इसके बाद पीठ इसके लिए सहमत हो गई। पुरकायस्थ के वकील अर्शदीप सिंह ने पहले दिल्ली की एक अदालत को सूचित किया था कि एफआईआर और गिरफ्तारियों को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की जाएगी, इसमें इस बात पर प्रकाश डाला जाएगा कि आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के पास पहले से ही एक एफआईआर थी, और उच्च न्यायालय को इसके बारे में सूचित नहीं किया गया था। वर्तमान एफ.आई.आर. के तहत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पुरकायस्थ और चक्रवर्ती को मंगलवार को गिरफ्तार किया था और अगले दिन दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। बुधवार को अदालत ने उन्हें रिमांड आदेश की प्रति देने के अलावा अपने वकील से मिलने की अनुमति दी थी।

मल्लिकार्जुन खरगे-राहुल गांधी से मिले शरद पवार

एजेन्सी

नयी दिल्ली। इडिया गठबंधन के दो अहम घटक दलों के नेताओं को एक बार फिर साथ में देखा गया है. एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार (6 अक्टूबर) को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की. इस मुलाकात के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, देश की जनता की आवाज और बुलंद करने के लिए आज राहुल गांधी जी के साथ एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार जी से भेंट हुई. हम हर चुनौती के लिए तैयार हैं. जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को एक बार फिर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए ।

तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में मुख्यमंत्री नाश्ता योजना की शुरुआत

एजेन्सी

हैदराबाद। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए तेलंगाना सरकार ने मुख्यमंत्री नाश्ता योजना की शुरुआत की है। राज्य के मंत्रियों ने विभिन्न जिलों के स्कूलों में छात्रों के साथ नाश्ता करके योजना का उद्घाटन किया। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ–साथ छात्रों को अच्छा पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह योजना इस महीने के अंत में राज्य भर में लागू की जाएगी, जब दशहरा की छुट्टियों के बाद स्कूल फिर से खुलेंगे। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास राज्य मंत्री के.टी. रामाराव ने कहा कि राज्य भर के 67,147 सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 23 लाख छात्रों को नाश्ता परोसा जाएगा। मंत्री ने सिकंदराबाद के वेस्ट मेरेडपल्ली के एक स्कूल में इस योजना की शुरुआत की।

कक्षा 1 से 10 तक के सभी छात्रों को नाश्ता कक्षा शुरू होने से 45 मिनट पहले परोसा जाएगा। नाश्ते के मेनू में इडली सांबर, गेहूं रवा, उपमा चटनी, पूरी, आलू खोरमा, टमाटर भात, खिचड़ी और पोंगल शामिल हैं। शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने रंगारेड्डी जिले के रविराला में एक स्कूल में योजना का उद्घाटन किया। गृह मंत्री महमूद अली ने हैदराबाद के उप्पल इलाके में मुख्यमंत्री नाश्ता योजना शुरू की। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पिछले महीने दशहरा उपहार के रूप में इस योजना की घोषणा की थी। इस योजना से राज्य के खजाने पर सालाना 400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। राज्य सरकार ने कहा कि वह गरीब परिवारों के छात्रों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ–साथ पढ़ाई पर उनकी एकाग्रता बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है। यह योजना उन छात्रों के माता–पिता की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है जो खेत मजदूर हैं और सुबह काम के लिए अपने घरों से निकलते हैं। केसीआर ने हाल ही में तमिलनाडु में योजना के कार्यान्वयन की जांच के लिए आईएएस अधिकारियों की एक टीम भेजी थी। अधिकारियों की एक टीम ने छात्रों के लिए नाश्ता योजना का अध्ययन कर सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी। मुख्यमंत्री के ध्यान में यह लाया गया कि तमिलनाडु में इसे केवल कक्षा 5 तक लागू किया जा रहा है। केसीआर ने हाई स्कूल के छात्रों को भी शामिल कर इस योजना को शुरू करने का निर्णय लिया। केटीआर ने कहा कि योजना का कार्यान्वयन मन्ना ट्रस्ट को सौंपा गया है, जिसकी हैदराबाद के उप्पल में दो लाख भोजन की क्षमता वाली एक केंद्रीकृत रसोई है। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों से गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित करने, नमूने एकत्र करने और उनका बार–बार परीक्षण करने को कहा।

संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने कसा शिकंजा, दो करीबियों समेत तीन को भेजा समन

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संजय सिंह के करीबियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ईडी ने संजय सिंह के तीन सहयोगियों को तलब किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने विवेक त्यागी, सर्वेश मिश्रा और कंवरबीर सिंह को समन जारी किया गया है और सर्वेश मिश्रा के आज ईडी के सामने पेश होने की उम्मीद है। ईडी इन तीनों लोगों से संजय सिंह के सामने पूछताछ करेगी जो 10 अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में हैं। सिंह को बुधवार को उनके दिल्ली स्थित आवास पर ईडी अधिकारियों द्वारा दिनभर की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि संजय सिंह के सहयोगी सर्वेश को उनके आवास पर सिंह की ओर से दो बार में 2 करोड़ रुपये मिले थे। संजय सिंह के निजी सहायक विजय त्यागी को आरोपी अमित अरोड़ा की कंपनी अरालियास हॉस्पिटैलिटी के व्यावसायिक हित में हिस्सेदारी की पेशकश की गई थी। ईडी शराब घोटाले में पूरी आय का पता लगाने के लिए उनसे पूछताछ करेगी। आप सांसद की गिरफ्तारी को लेकर विभिन्न विपक्षी दलों ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला किया है और भाजपा पर विपक्ष के खिलाफ सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। बता दें कि, राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने आप सांसद संजय सिंह को दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किये जाने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को पांच दिनों के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने सिंह को 10 अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया, ताकि संघीय जांच एजेंसी उनसे पूछताछ कर सके। आप के राज्यसभा सदस्य को हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया जाएगा। अदालत कक्ष में लाये जाने के दौरान

सिंह ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का "अन्यायपूर्ण कृत्य" है। जब अदालत ने उनसे पूछा कि क्या वह कुछ कहना चाहते हैं, तो सिंह ने दावा किया कि उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। आप नेता ने मामले में अब सरकारी गवाह बन गए आरोपी कारोबारी दिनेश अरोड़ा से दो करोड़ रुपये मिलने के ईडी के दावे को खारिज करते हुए कहा, "सर, अमित अरोड़ा ने दसियों बयान दिये, दिनेश अरोड़ा ने कई बयान दिये, लेकिन उन्हें मेरा नाम याद नहीं रहा। मैं इतना भी अनजान नहीं हूं कि वे मेरा नाम भूल गये। अब उन्हें अचानक याद आया... कोई अलग कानून नहीं है। मुझे एक बार भी समन नहीं किया गया। मेरे लिए अलग कानून क्यों?" सुनवाई के दौरान ईडी ने सिंह की हिरासत की मांग करते हुए कहा कि कई लोगों से पूछताछ और उनका आमना–सामना कराया जाना बाकी है। एजेंसी ने कहा कि वह सिंह के फोन से निकाले गए डेटा को लेकर भी उनसे पूछताछ करना चाहती है। ईडी ने आरोप लगाया कि सिंह को दो किस्तों में तीन करोड़ रुपये मिले।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

एजेन्सी

मुरैना। मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व मुरैना जिला कलेक्टर ने असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर उकसावे वाली पोस्ट डालने की आशंकाओं के मद्देनजर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अंकित अस्थाना ने इस संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है।

आदेश में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सऐप, ट्विटर, इन्स्टाग्राम आदि संसाधनों का दुरूपयोग धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाओं को भड़काने के लिए नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति आपत्तिजनक नारेबाजी, उन्माद फैलाने वाले भाषण देना एवं भडकाऊ पर्चे छपवाकर बांटना तथा जिन पोस्टर, बैनर से विद्वेष फैलने की संभावना हो उन पोस्टर, बैनर को लगाने, फाड़ने आदि कार्य नहीं करेगा और न ही उक्त कार्य करने के लिये प्रेरित करेगा।

भारत दुनिया की वृद्धि का नया इंजन बनने को तैयार : आरबीआई गवर्नर

एजेन्सी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत दुनिया की वृद्धि का इंजन बनने के लिए तैयार है। दास ने रिजर्व बैंक की द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की धीमी पड़ती रफ्तार के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत मांग होने से जुझारू क्षमता दिखा रही है। आरबीआई गवर्नर ने कौटिल्य के महान ग्रंथ 'अर्थशास्त्रश को उद्धृत करते हुए कहा कि देश की प्रगति के लिए वृहद–आर्थिक स्थिरता और समावेशी विकास बुनियादी तत्व हैं। उन्होंने कहा, "पिछले कुछ वर्षों में कई तरह के और अप्रत्याशित झटकों से निपटने के लिए हमने जिस तरह का नीतिगत मेल किया है, उसने वृहद–आर्थिक एवं वित्तीय स्थिरता को मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि बाह्य क्षेत्र भी काफी हद तक प्रबंधन के लायक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि दशक भर पहले के दोहरे बहीखाते के दबाव की जगह अब दोहरे बहीखाते के लाभ की स्थिति है जिसमें बैंकों एवं कंपनियों दोनों के खाते मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय कठिन वित्तीय परिस्थितियों, भू–राजनीतिक तनाव लंबा खिंचने और बढ़ते भू–आर्थिक विखंडन के असर से सुस्त पड़ रही है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा, "वैश्विक रुझानों के उलट घरेलू आर्थिक गतिविधियां जुझारूपन को दर्शाती हैं जो मजबूत घरेलू मांग से आती है। भारत दुनिया की वृद्धि का नया इंजन बनने के लिए तैयार है। दास ने कहा कि भू–राजनीतिक दबाव, वित्तीय बाजारों एवं ईंधन कीमतों में उतार–चढ़ाव और जलवायु संबंधी घटनाएं वृद्धि परिदृश्य के लिए जोखिम पैदा करती हैं। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने का अनुमान रखा है। आरबीआई ने कहा कि वित्त वर्ष 2023–24 की दूसरी तिमाही में वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में छह प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5. 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इन तिमाहियों में जोखिम को समान रूप से ध्यान में रखते हुए समूचे वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं अगले वित्त वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही में वास्तविक वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रह सकती है। इसके पहले अगस्त की समीक्षा बैठक में भी आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए 6.5 प्रतिशत वृद्धि का ही अनुमान जताया था। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिवेश में भी आगे बढ़ रही है और अपनी अंतर्निहित वृहद–आर्थिक बुनियाद और अन्य समर्थक बिंदुओं से ताकत हासिल कर रही है। हालांकि, दास ने कहा कि जुलाई–सितंबर की तिमाही में कुछ खाद्य उत्पादों की कीमतें बढ़ने से मुद्रास्फीति में गिरावट के रुझान पर असर देखा गया है।

सिक्किम में बाढ़: तलाशी अभियान तीस्ता बैराज के निचले इलाकों पर केंद्रित

एजेन्सी

गुवाहाटी। सिक्किम सिक्किम में अचानक आई बाढ़ में कई लोग अभी भी लापता हैं। सेना के एक अधिकारी के अनुसार, सेना के चार जवानों सहित 19 लोगों की मौत हो गई है।

गुवाहाटी में पीआरओ डिफेंस लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने शुक्रवार को कहा, "लापता भारतीय सेना के जवानों की तलाश जारी है। इस बीच भारतीय सेना उत्तरी सिक्किम में फंसे नागरिकों और पर्यटकों को भोजन, चिकित्सा सहायता और संचार सुविधाओं का विस्तार करने में सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान तीस्ता बैराज के निचले इलाकों में केंद्रित है। सिंगताम के पास बुरडांग में घटना स्थल पर सेना के वाहनों को खोदकर निकाला जा रहा है और भंडार बरामद किया जा रहा है। रावत ने कहा, ष्खोज अभियान में सहायता के लिए तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू की टीमों, ट्रैकर कुत्तों और विशेष राडार के रूप में अतिरिक्त संसाधन लाए गए हैं।इस बीच, भारतीय सेना के त्रिशक्ति कोर के जवान लाचेन, चौटन, लाचुंग और चुंगथांग के क्षेत्रों में मौजूद 1471 पर्यटकों को पकड़ने में सक्षम रहे हैं। जैसे–जैसे मौसम की स्थिति में सुधार हो रहा है, सेना पहाड़ी राज्य में फंसे पर्यटकों को निकालने की योजना बना रही है।

त्योहारी सीजन के लिए एक लाख से अधिक नौकरियां पैदा करेगा अमेजन इंडिया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। अमेजन इंडिया त्योहारी सीजन को देखते हुए अपने परिचालन नेटवर्क में 100,000 से अधिक नौकरी के अवसर पैदा करने जा रहा है। अमेजन इंडिया जिन शहरों में यह अवसर पैदा करने जा रहा है उनमें मुंबई, दिल्ली, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और चेन्नई जैसे शहरों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां शामिल हैं। अमेजन के परिचालन, एपीएसी, मीना लाटम और डब्ल्यूडब्ल्यू ग्राहक सेवा प्रमुख अखिल सक्सेना ने कहा, ष्हम अपनी पूर्ति, वितरण और ग्राहक सेवा क्षमताओं को मजबूत करने और हमारे साथ खरीदारी करने के इच्छुक लाखों ग्राहकों के लिए एक शानदार खरीदारी अनुभव सुनिश्चित करने के लिए एक लाख से अधिक के कार्यबल का स्वागत कर रहे हैं। 8 अक्टूबर से शुरू होने वाले अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवलश्श से पहले 7 अक्टूबर से प्राइम ग्राहकों तक जल्दी पहुंच के साथ अमेजन इंडिया ने पहले से ही इन नए कर्मचारियों में से अधिकांश को अपने मौजूदा नेटवर्क में शामिल कर लिया है।

मऊ: मुख्तार अंसारी गिरोह का शूटर गिरफ्तार, 13 साल से चल रहा था फरार

एजेन्सी

मऊ। जिले में माफिया मुख्तार अंसारी गिरोह के 13 साल से फरार चल रहे एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। उस पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। अपर पुलिस अधीक्षक महेश सिंह अत्री ने बताया कि माफिया मुख्तार अंसारी गिरोह के 2010 से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के शातिर अपराधी रामदुलारे को 13 साल बाद गिरफ्तार किया गया तथा उसके पास से अवैध हथियार बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात को मतलपुर मोड़ के पास से रामदुलारे उर्फ दुलारे को गिरफ्तार किया गया ।उन्होंने कहा कि उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सम्पादकीय

सुलगते सवाल

एक न्यूज पोर्टल से जुड़े पत्रकारों पर छापे, कुछ की गिरफ्तारी और फिर आप के सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक सुविधा के लिये सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग पर देश में सवाल तीखे हुए हैं। देश की शीर्ष अदालत गाहे–बगाहे राजनीतिक हथियार बनीं एजेंसियों की कारगुजरियों पर सवाल उठाती रही हैं। कभी कोर्ट ने एजेंसी को पिंजरे का तोता कहा तो कभी इन एजेंसियों में नियमों से इतर शीर्ष अधिकारियों के लगातार बढ़ते कार्यकाल को लेकर भी सवाल उठाए। पिछले कुछ महीनों में ऐसा विवाद शीर्ष अदालत व सरकार के बीच खासा चर्चित रहा। निस्संदेह, जब किसी खास या आम पर देश की स्थापित व्यवस्था के खिलाफ काम करने अथवा कानून, अर्थव्यवस्था या समाज के खिलाफ राष्ट्रविरोधी कार्यों में लिप्त होने के आरोप लगाये जाते हैं तो उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत भी होने भी चाहिए। आरोप तार्किक होने चाहिए। आरोप का आधार राजनीतिक आकाओं की पसंद–नापसंद भी नहीं होनी चाहिए। फिर लोकतंत्र में विपक्ष और मीडिया के विभिन्न धाराओं से जुड़े लोगों के प्रति सहिष्णुता सत्तारूढ़ दल या सरकार की गरिमा को ही बढ़ाती है। लोकतंत्र में लोक की सर्वोच्चता होती है, तंत्र की नहीं। सत्ताधीशों को मानना चाहिए कि सतर्क विपक्ष व धारदार मीडिया भी लोकतंत्र के रक्षक ही होते हैं। लेकिन यहां राजनीतिक दलों का विरोध भी तार्किक व जनमानस के हितों के अनुरूप होना चाहिए। आरोप महज राजनीतिक लक्ष्यों के लिये सत्तारूढ़ दल को घेरने का जरिया नहीं होना चाहिए। यानी महज विरोध के लिये विरोध नहीं होना। वहीं मीडिया के लिये भी लक्ष्मण रेखा निर्धारित है। विरोध के लिये उसका आधार भी विश्वसनीय होना चाहिए और जवाबदेही जनता के प्रति होनी चाहिए। वहीं किसी राजनीतिक विचारधारा के मामले में भी उसे निरपेक्ष होना चाहिए। विडंबना यही है कि गढ़े हुए तथ्यों के आधार पर आरोप–प्रत्यारोपों का दौर जारी है। वहीं अर्द्धसत्यों को सत्य साबित करने की होड़ जारी है। यहां सवाल सरकारी एजेंसियों की पारदर्शिता व निष्पक्षता का भी है। ये सारे विवाद सभी पक्षों के नीर–क्षीर विवेक व पारदर्शी व्यवहार की जरूरत बताते हैं। वीरवार को शीर्ष अदालत में आप के पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया की शराब नीति में कथित भ्रष्टाचार विवाद प्रकरण में हुई गिरफ्तारी से जुड़े सवालों पर ईडी से तीखे सवाल किये गये। लगाये गये आरोपों की तार्किकता पर सवाल उठे कि जब मनीष सिसोदिया की मामले में सीधी भूमिका नहीं है तो उन्हें आरोपी क्यों बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी का केस ठोस सबूतों के आधार पर होना चाहिए अन्यथा जिरह के दौरान केस दो मिनट में गिर जाएगा। कोर्ट का कहना था कि यदि मनीष सिसोदिया की भूमिका मनी ट्रेल में नहीं है तो मनी लॉन्ड्रिंग में सिसोदिया आरोपियों में क्यों शामिल हैं। कोर्ट का कहना था कि मनी लॉन्ड्रिंग अलग कानून है। यह भी कि ईडी साबित करे कि सिसोदिया केस प्रापर्टी में शामिल रहे हैं। बहरहाल, अब कोर्ट उनकी जमानत याचिका पर बारह अक्तूबर को सुनवाई करेगी। इस बीच कोर्ट ने सरकारी गवाहों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाये। कोर्ट का कहना था कि केस ठोस सबूतों की बुनियाद पर तैयार होना चाहिए। अनुमान के आधार पर केस तैयार नहीं किये जा सकते। कोर्ट का कहना था कि राजनीतिक कार्यकारी के निर्देशों पर नौकरशाहों को विवेकशील ढंग से विचार करना चाहिए। कोर्ट ने पूछा कि शराब नीति में कथित घोटाले मामले में सीबीआई चार्जशीट में अनुमानित राशि और ईडी की रिपोर्ट में उल्लेखित राशि में अंतर क्यों है। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि नई शराब नीति से यदि किसी राजनीतिक दल विशेष को लाभ पहुंचा है तो उस पार्टी को इस केस में क्यों नहीं शामिल किया गया? वहीं दूसरी ओर आप सांसद संजय सिंह की कोर्ट में हुई पेशी के दौरान अदालत ने ईडी की कार्यशैली को लेकर कई तीखे सवाल पूछे। साथ ही यह भी पूछा कि उनकी कस्टडी क्यों जरूरी है। जिसके बाबत ईडी का तर्क था कि सांसद के घर से जो सबूत मिले हैं, उनसे जुड़े सवालों को लेकर पूछताछ जरूरी है। बहरहाल, ऐसे मामलों में एजेंसियों को तार्किक आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए।

अमरीका, यूरोप का परम्परागत विरोधी

संजीव ठाकुर

उत्तर कोरिया में 2011 के बाद किम जोंग उन ने अपने को तानाशाह घोषित कर दिया है वह किम जोंग इल तानाशाह का बेटा है जो 2011 से पहले सनकी तानाशाह थे। विगत दिनों रूस की यात्रा वहां के समकक्ष राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर गुप्त मिसाइल समझौते करके और खतरनाक हो गया है ।अब उत्तर कोरिया रूस की यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में मदद भी करने वाला है रूस की यात्रा से लौटने के बाद उसने कई मिसाइल परीक्षण भी किएं है, इधर यूक्रेन के बाद युद्ध के लिए शास्त्रों की कमी हो चुकी है नाटो और अमीर की मदद के बावजूद यूक्रेन आर्थिक संकट में है, परिणाम स्वरूप अमेरिका तथा नाटो देश की नींद उड़ चुकी है। पिछले कई वर्षों से एशिया का सबसे विवादास्पद राष्ट्र उत्तर कोरिया रहा है। यह देश विवादों में इसलिए भी रहा है कि इसमें लगातार पिछले एक दशक से परमाणु परीक्षण कर अमेरिका तथा यूरोप के देशों की नींद उड़ा कर रखी है,पूरे विश्व में उत्तर कोरिया के किम जोंग को एक तानाशाह प्रशासक के रूप है जाना जाने लगा है,किम जोंग की गिनती विश्व में क्रूर तानाशाह की मानी जाती है, यूरोप तथा अधिकांश एशियाई देशों के मीडिया ने किंग जॉन को एक खतरनाक तथा विश्व की शांति के खतरे के रूप में निरूपित किया है। वह अमेरिका तथा यूरोपीय देशों का घनघोर विरोधी तानाशाह है और अपने देश में सिर्फ कोरियाई भाषा को ही पढ़ने लिखने और बोलने की भाषा के रूप स्वतंत्रता प्रदान की है। दिसंबर 2011 को उसने अपने आप को उत्तर कोरिया का सर्वोच्च तानाशाह घोषित कर दिया था। उत्तर कोरिया में मीडिया इंटरनेट पर वीडियो पर इसी तानाशाह का पूरी तरह नियंत्रण है। वैश्विक स्तर पर तानाशाहों की गिनती में चीन के शी जिनपिंग, रूस के व्लादिमीर पुतिन और उसके बाद किम जोंग का तीसरा नंबर है। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो कोरिया बहुत सालों तक चीन का हिस्सा रहा है फिर उन्नीस सौ चार तथा पांच में रूस जापान युद्ध के बाद यह जापान का एक सुरक्षित क्षेत्र बन गया था। 1910 के बाद जापान ने से अपना अंग बना लिया था। 1945 के विश्वयुद्ध के बाद जब जापान ने आत्मसमर्पण किया था तब कोरिया को स्वतंत्र राष्ट्र बना कर उसे दो भागों में विभक्त कर दिया गया। उत्तर दक्षिण कोरिया, 1948 में दक्षिण भाग में कोरिया गणतंत्र और उत्तरी कोरिया में कोरियन पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की स्थापना की गई। 1953 में इसका विभाजन विधिवत रूप मे उत्तर उत्तर अक्षांश की विभाजन रेखा से उत्तर तथा दक्षिण कोरिया बनाया गया। भारत की तरह यह भी कृषि प्रधान राज्य है। यहां पर शिक्षा और स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की सेवाएं पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में रखी गई है। दक्षिण कोरिया में खाद्य पदार्थों में अनुदान दिया जाता है तथा शिक्षा स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाएं नागरिकों को निशुल्क प्रदान की जाती है। इसके बावजूद भी वहां कुपोषण की दर 30: से बहुत अधिक है। उत्तर कोरिया एसा देश है जहां इंटरनेट, मीडिया,1 रेडियो तथा संचार माध्यमों पर इस तानाशाह का पूरी तरह नियंत्रण है, इंटरनेट भी बहुत ही गिने चुने लोग कोरियाई भाषा में इस्तेमाल कर पाते हैं। नागरिकों को एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश तथा देश के बाहर जाने की अनुमति नहीं होती है। इसके लिए विशेष अनुमति लेना अनिवार्य होती है। किम जोंग इतना खतरनाक तानाशाह है कि उसने अपने कई सगे रिश्तेदारों की सरेआम छोटे–छोटे कारणों के कारण हत्या करवा दी, इसने अपनी ही सरकार के कई मंत्रियों तथा पदाधिकारियों की हत्या करवा कर तानाशाही का बहुत क्रूर उदाहरण प्रस्तुत किया है ताकि जनता में उसका भय सदैव बना रहे। उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग को ईश्वर पर विश्वास नहीं है वह नास्तिक है एवं राज्य को भी नास्तिक वादी बना कर रखा है। इस देश में किसी भी धर्म या जाति या ईश्वर को मानने की किसी तरह की आजादी भी नहीं दी गई है। धर्म का पालन करने वाले को बड़ी बुरी तरह से दंडित किया जाता है। तानाशाह किम जोंग के अनुसार वही जनता का ईश्वर है और वह देश की सर्वोच्च सत्ता का मालिक है। यह बहुत अचरज वाली बात है कि उत्तर कोरिया का समाज शासकीय नियंत्रण वाला समाज है। यहां किसी भी व्यक्ति को कोई भी व्यक्तिगत आजादी का कोई हक नहीं दिया गया है। इस तानाशाह ने अपने आप को भगवान घोषित कर जनता को भी मजबूर कर दिया है कि उसे ईश्वर माना जाए। यह कतई विश्वास करने वाला सत्य नहीं है कि इस युग में भी ऐसा देश है जहां जनता पर इतनी व्यक्तिगत पाबंदियां लगाई गई है। उत्तर कोरिया में मानव अधिकार हनन, निजी स्वतंत्रता को चुनौती एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा कानूनी चुनौतियां जैसा कोई शब्द ही नहीं है तानाशाही के नीचे सारे कानून, कायदे और नियम दफन होकर रह गए हैं। उत्तर कोरिया विश्व शांति के लिए इसलिए भी बहुत ज्यादा खतरनाक हैं कि इसने लगातार 2006, 2009, 2013 में भूमिगत परमाणु परीक्षण किए और किम जोंग के दावे के अनुसार उसने इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल जो लंबी दूरी की परमाणु मिसाइलें होती हैं का भी सफल परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया और अमेरिका के संबंध हमेशा से तनावपूर्ण रहे हैं। अमेरिका और यूरोपीय देश उत्तर कोरिया द्वारा किए गए भूमिगत परमाणु परीक्षण तथा इंटरनेशनल बैलेस्टिक मिसाइल के सफल परीक्षण को मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा मानते हैं, और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग की मानसिक स्थिति देखते हुए यह परमाणु हथियार किसी भी देश के लिए खतरा बन सकते हैं क्योंकि वह न तो संयुक्त राष्ट्र संघ परिषद की परवाह करता है और ना ही किसी देश के शासक प्रशासक का आदेश ही मानता है। अमेरिका के जितने भी राष्ट्रपति रहे हैं किम जोंग उन से सीधा टकराने की इच्छा रखता रहा है, और यही कारण है कि यूरोपीय देश तथा अमेरिका ,ब्रिटेन हमेशा उत्तर कोरिया के इस पागल प्रशासक को अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए एक बड़ा खतरा मानते है। उत्तर कोरिया के इस तानाशाह की तुलना में शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिनसे की गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूर्व में सदैव शांत रहने वाले और किसी समस्या का बातचीत से एवं कूटनीति से हल निकालने का प्रयास करने वाली माने जाते हैं। पर व्लादीमीर पुतिन ने भी यूक्रेन पर हमला करके अपनी तानाशाही का सबूत पूरे विश्व के सामने रख दिया है। यूक्रेन के बाद चीन और ताइवान के संघर्ष के शुरुआत होने की संभावना दिखाई दे रही है। इस तरह यह तीनों तानाशाह आज की स्थिति में बेलगाम हो चुके हैं क्योंकि रूस, चीन, उत्तर कोरिया तीनों परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र हैं और अमेरिका के लिए हमेशा खतरे की घंटी बने रहते हैं। अमेरिका,नेटो तथा यूरोपीय देशों की लाख धमकियों के बावजूद पुतिन ने यूक्रेन पर सीधा आक्रमण कर ने दिखा दिया कि अमेरिका अब कमजोर पड़ चुका है और रूस उसकी परवाह नहीं करता है, अब वह महाशक्ति भी नहीं रहा। अफगानिस्तान में भी अमेरिका को अपने सैनिकों को मजबूरी में वापस बुलाना पड़ा, इस तरह अमेरिका की स्थिति इन तीनों देशों के सामने काफी कमजोर साबित हो रही है।

इन गिरफ्तारियों के संकेत साफ हैं

देश में सरकार विरोधी लोगों की गिरफ्तारियों का सिलसिला जारी है। एक ओर तो आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है, तो वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन न्यूज पोर्टल श्न्यूजक्लिकश के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ को सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्हें पोर्टल के एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती के साथ पुलिस कस्टडी में सौंपा गया है जहां हफ्ते भर दोनों से पूछताछ होगी। आप से राज्यसभा के सदस्य संजय सिंह को दिल्ली सरकार के कथित शराब घोटाले में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है तो न्यूजक्लिक पर आरोप है कि उसने चीन के समर्थन में प्रचार करने के लिये धन लिया है। आप पार्टी के दो वरिष्ठ मंत्री शराब मामले में पहले से जेल में हैं– उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आबकारी मंत्री सत्येन्द्र जैन। दोनों पर शराब नीति में फेरबदल कर घूस लेने के आरोप हैं। इसी की कड़ी के रूप में संजय सिंह को प्रवर्तन निदेशालय ने करीब 10 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को पुरकायस्थ एवं चक्रवर्ती के अलावा और भी कई प्रतिष्ठित पत्रकारों को पुलिस ने पूछताछ के लिये बुलाया था। उनमें से कई के लैपटॉप व मोबाइल जब्त कर लिये गये थे। इनमें उर्मिलेश, अनिंद्य चक्रवर्ती, परंजॉय गुहा ठाकुरता, अभिसार शर्मा तो थे ही, इतिहासकार सोहेल हाशमी, व्यंग्यकार संजय राजौरा एवं सेंटर फॉर टेक्नालॉजी एंड डेवलपमेंट के डी रघुनंदन शामिल हैं। पूछताछ के बाद दोनों के अलावा अन्य को जाने दिया गया। ऐसे ही, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी के भतीजे अभिषेक बैनर्जी को कई पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली में उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे कृषि भवन के बाहर धरना दे रहे थे। उनसे पहले ही कथित कोयला घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय कई बार पूछताछ कर चुकी है। यह भी माना जाता है कि उन पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है।

कहने को तो ये सारे मामले अलग–अलग हैं लेकिन राजनैतिक रूप से देखें तो साफ हो जाता है कि इनका आपस में सूक्ष्म सम्बन्ध है। संजय सिंह एक बेहद मुखर सांसद हैं जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी सरकार के कट्टर आलोचकों में से एक माने जाते हैं। प्रभावशाली वक्ता होने एवं निडरता से अपनी बात रखने वाले संजय पर आरोप है कि शराब घोटाले के एक आरोपी बिचौलिये दिनेश अरोरा से उन्होंने दिल्ली के बार व रेस्त्रां मालिकों से उनकी पार्टी के लिये धन जुटाने को कहा था। अरोड़ा ने 82 लाख रुपये का चेक भी दिया था। उल्लेखनीय है कि संजय सिंह ने संसद में मोदी के मित्र कहे जाने वाले देश के प्रमुख कारोबारी गौतम अदानी के खिलाफ जोर–शोर से आवाज उठाई थी। ऐसे ही, अयोध्या के रामजन्मभूमि परिक्षेत्र में कथित जमीन घोटाले का भी संजय सिंह ने बहुत दमदारी से पर्दाफाश किया था। उस वक्त भाजपा के साथ मंदिर ट्रस्ट की बहुत भद्द पिटी थी।

भारत सरकार के कड़े रुख के चलते कनाडा बैकफुट पर आ गया है

योगेन्द्र योगी

कनाडा आतंकियों और अपराधियों की पनाहगाह को लेकर विश्व के सामने बेनकाब हो चुका है। आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा को पश्चिमी देशों से जिस सहानुभूति और सहयोग की उम्मीद थी, उसमें पूरी तरह नाकामी हाथ लगी है। यही वजह है कि कनाडा विश्व में अलग–थलग पड़ गया है। आश्चर्य की बात यह है कि निज्जर की हत्या को लेकर भारत पर अपनी सम्प्रभुता में अतिक्रमण करने का आरोप लगाने वाले प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आतंकवाद की वजह से तबाही के कगार पर आ चुके पाकिस्तान से भी सबक नहीं सीखा कि किस तरह पाकिस्तान इसकी गिरफ्त में आकर बर्बाद हो चुका है। गौरतलब है कि ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को सिख अलगाववादी नेता निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित भूमिका के ट्रूडो के विस्फोटक आरोपों के बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आ गई है। भारत ने इन आरोपों को श्बेतुकाश और श्प्रेरितश कहकर खारिज कर दिया। इस मामले में ओटावा के एक भारतीय अधिकारी को देश से बाहर करने के बदले में भारत ने एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को बाहर कर दिया। भारत ने कनाडा से अपनी धरती से सक्रिय आतंकवादियों और भारत विरोधी तत्वों पर सख्ती बरतने को कहा और कनाडाई लोगों के लिए वीजा सेवाओं को निलंबित कर दिया। भारत से द्विपक्षीय रिश्ते की लिहाज कनाडा ने कभी नहीं रखी। इसके विपरीत भारत की सदाशयता का कनाडा ने नाजायज फायदा उठाया और भारत के भगोड़े अपराधियों की शरणस्थली बन गया। मानवाधिकारों और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कनाडा खूंखार अपराधियों और आतंकियों का ठिकाना बन गया है। इससे भी ज्यादा आश्चर्य यह है कि कनाडा के हमदर्द अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने कभी भी कनाडा सरकार को इसके खतरनाक नतीजों को लेकर आगाह नहीं किया। कनाडा के मामले में पश्चिमी देशों की आतंक को दो मुंही कपटी नीति जाहिर हो गई है। कनाडा वर्षों से आतंकियों को पालने–पोसने का काम कर रहा है। यह काम मौजूद प्रधानमंत्री ट्रूडो के पिता और प्रधानमंत्री रहे पियर ट्रूडो भी कर चुके हैं। पियर ट्रूडो 1968 से 1979 तक और फिर 1980 से 1984 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे। खालिस्तानियों का प्रमुख नेता तलविंदर सिंह परमार कनाडा में रहता था। इंदिरा गांधी ने 1984 में अक्टूबर की शुरुआत में ट्रूडो से तलविंदर सिंह परमार के प्रत्यर्पण की मांग की थी, लेकिन पियर ट्रूडो की सरकार ने प्रत्यर्पण से इंकार कर दिया। उस दौरान इंदिरा गांधी की खालिस्तान के मुद्दे पर ट्रूडो से काफी नोकझोंक हुई थी। इसी तरह कनिष्क यात्री विमान को बम से उड़ाने के आरोपी इंद्रजीत सिंह रेयात दोषी साबित हुआ। रेयात एक ब्रिटिश–कनाडाई नागरिक था। उसे साल 2017 में कनाडा की अदालत ने रिहा कर दिया था। भारत ने रेयात को प्रत्यर्पित करने की मांग की थी। कनाडा सरकार ने इस मांग को अनसुना कर दिया। हमलों का मास्टरमाइंड तलविंदर सिंह परमार था। साल 2003 में उसे इस नरसंहार के लिए दोषी ठहराया गया था। बमों को फ्लाइट में असेंबल करने के जुर्म में उसे पंद्रह साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। कनाडा किस तरह एक वैश्विक आतंकी देशों का अड्डा बन गया है, इसका पीड़ा श्रीलंका ने भी झेली है। श्रीलंका ने कनाडा पर आतंकी संगठन तमिल टाइगर के आतंकियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया था। मौजूदा भारत के साथ बिगड़े संबधों को लेकर श्रीलंका और बांग्लादेश ने कनाडा की तीखी भर्त्सना की है। बांग्लादेश ने कहा है कि कनाडा की तरफ से भारत पर लगाए गए सभी आरोप गलत हैं। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो का बिना किसी सबूत के किसी देश पर आपत्ति और अपमानजनक आरोप लगाना पुरानी आदत है। साबरी ने कहा कि इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो श्रीलंका के खिलाफ भ्रामक और आपत्तिजनक बयान दे चुके हैं। कनाडा ने कहा था कि श्रीलंका में भयानक नरसंहार हुआ था, जोकि पीएम ट्रूडो का सरासर झूठा बयान था। श्रीलंका के विदेश मंत्री ने कहा कि सभी जानते हैं कि श्रीलंका में कोई नरसंहार नहीं हुआ। आतंकवाद और अपराधियों को प्रत्यक्ष संरक्षण देने के अलावा कनाडा की ट्रूडो सरकार की बीमार मानसिकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लाखों यहूदियों के नरसंहार में शामिल हुए एक नाजी का कनाडा की संसद में सम्मान किया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की संसद यात्रा के दौरान एक बुजुर्ग यूक्रेनी आप्रवासी को नायक के रूप में सम्मानित किया गया और खड़े होकर तालियां बजाईं गयीं। संसद में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के भाषण के दौरान 98 वर्षीय हुंका को बुलाकर द्वितीय विश्वयुद्ध का नायक बताया था। अब कनाडा सरकार इस मुद्दे पर बगलें झांक रही है। इस शर्मनाक स्थिति के चलते कनाडा की संसद के निचले सदन श्हाउस ऑफ कॉमंसश के स्पीकर एंथोनी रोटा ने इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ गया।

कार्यालय ग्रामपंचायत लखौंआ, विकास खण्ड सिकरारा, जिला जौनपुर

पत्रांक– मेमो / निविदा 2023–24 / दिनांक 06.10.2023

S.L.W.M. कार्य हेतु अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ग्रामपंचायत द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अभियान फेज–2 के तहत ग्रामपंचायत में निकलने वाले ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन [S.L.W.M.] हेतु नाली निर्माण, सोख्ता गड्ढा निर्माण, घूर–गड्ढा निर्माण, आर0सी0सी0 निर्माण, डस्टबिन क्रय, स्वच्छता में प्रयोग आने वाले उपकरण एवं सफाईकर्मी द्वारा स्वच्छता कार्य हेतु धारण की जाने वाली पोशाक (किट) क्रय, कचरा ढोने हेतु ई–रिक्शा, माल वाहन क्रय, संक्रमण रोगों से बचाव हेतु छिड़काव की दवा क्रय आदि स्वच्छता सम्बन्धित गतिविधियों में प्रयुक्त होने वाली विविध सामग्रियों के क्रय हेतु S.L.W.M. में आवंटित धनराशि, राज्य वित्त / केन्द्रीय वित्त के इस प्रयोजन में खर्च की जाने वाली धनराशि हेतु ग्रामपंचायत विकास खण्ड जनपद स्तर के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता से उपरोक्त सामग्रियों की आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदा दिनांक 07.10.2023 से दिनांक 15.10.2023 तक कार्यालय ग्रामपंचायत में जमा की जा सकती है, जो दिनांक 16.10.2023 को ग्राम प्रबंधन समिति के सदस्यों के समक्ष 10.00 बजे प्रातः खोली जाएगी, निम्न दर की निविदा स्वीकार की जाएगी। आपूर्तिकर्ताओं का व्यापार पंजीकरण, टिन नम्बर एवं जी0एस0टी0 नम्बर होना अनिवार्य है।

क्र0सं0	परियोजना का नाम / सामग्री	मात्रा	दर
1	ईंट 150एम.एम.प्रथम श्रेणी / एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
2	सीमेण्ट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू,महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मीटर	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53एम.एम. तक, ईंट गिट्टी 20 एम.एम. से 42 एम.एम. तक	प्रति घन मीटर	
5	सरिया विभिन्न साईज	प्रति कुन्तल	
6	करकट / एसबेस्टस सीट, पैनल आयरन, सबमर्सेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैक्स / ब्लाक ईंट / इंटरलॉकिंग ईट / जागजेडा इंटरलॉकिंग ईंट	प्रतिहजार	
8	ई–रिक्शा मालवाहक	प्रति नग	
9	डस्टविन विभिन्न साइज में	प्रति नग	
10	ह्यूम पाईप 150 एम.एम., 300 एम.एम., 350एम.एम., 600 एम.एम., 800एम.एम., NP3	प्रति मीटर	
11	ढक्कनदार नाली, निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घनमीटर	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता कीट / सेनेटाइजर, डस्टबिन सहित अन्य संबन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें:–

1. सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृति होने के बाद निर्धारित की जाएगी।
2. आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश से की जाएगी,अन्यथा नही।
3. सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है।
4. सामग्री की आपूर्ति ग्रामपंचायत की परिधि से स्वीकृति दर निर्धारित कार्य पर करनी होगी।
5. सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जाएगा।
6. सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जाएगा।
7. आपूर्तिकर्ता का सेलटैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो, प्रमाण–पत्र की छायाप्रति संलग्न की जाय।
8. प्रस्तुत दर पी0डब्लू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो।
9. सामग्री आपूर्ति ग्रामपंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय में की जानी अनिवार्य होगी।
10. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप न पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जाएगी।
11. निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
12. आपूर्ति को चार प्रतिशत वाणिज्य कर एवं 2.24 प्रतिश आयकर में कटौती के पश्चात् भुगतान किया जाएगा।

ग्राम प्रधान
राजेश यादव

ग्राम सचिव
प्रदीप शंकर श्रीवास्तव

कौशल विकास से युवाओं को मिलती है आर्थिक मजबूती - कुलपति

1- कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र का कुलपति ने किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र का शनिवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने निरीक्षण किया. केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं से भी संवाद किया. कहा कि रोजगार और स्वरोजगार के लिए किसी न किसी क्षेत्र में कौशल होना अति आवश्यक है. यही कौशल युवाओं को आर्थिक रूप संपन्न बनाता है.

उन्होंने छात्राओं से कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा आप सभी को दिया जाने वाला यह प्रशिक्षण आपके आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है. आज केंद्र और प्रदेश की सरकार युवाओं को शिक्षा के साथ ही साथ कौशल विकास के लिए भी कई योजनाएं संचालित कर रही है. विश्वविद्यालय का यह केंद्र युवाओं के कौशल विकास के लिए निरंतर सुविधाएं उपलब्ध कराता रहेगा.कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ. राजकुमार ने केंद्र में संचालित हो रहे कौशल विकास के कार्यक्रमों से कुलपति को अवगत कराया. उन्होंने बताया कि केंद्र पर सिलाई मशीन ऑपरेटर, डाटा एंट्री ऑपरेटर , डोमेस्टिक, आईटी, हेल्पडेस्क अटेंडेंट तथा माइक्रो फाइनेंस एग्जीक्यूटिव का प्रशिक्षण जारी हैं. केंद्र का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कौशल विकास मिशन के अंतर्गत विश्वविद्यालय के आस –पास के ग्रामीण लोगों के कौशल संवर्धन तथा रोजगार की मुहिम को आगे बढ़ाना एवं उन्हें लाभ प्रदान करना है. इस अवसर पर श्रीनाथ यादव, राजन गुप्ता, संतोष यादव, अभिषेक यादव, गिरिजा देवी, सूर्यकान्त अस्थाना, मोव दावर खान, प्रिया आदि उपस्थित रहे।

सुखेता नदी के किनारे ग्रामीण का शव मिलने से हड़कंप

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। सुखेता नदी पर एक ग्रामीण का शव सुखेता के किनारे पड़ा मिला। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पाकर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया है। परिजन हत्या की आशंका जाता रहे हैं। मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम सोनौरा नवासी 40 वर्षीय सुरेश पुत्र लीला दोपहर में मछली पकड़ने के लिए घर से निकला था। काफी देर तक वापस नहीं लौटा तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। सुखेता नदी के पास सुरेश का शव पड़ा मिला।जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। तत्काल मझिला पुलिस को सूचना दी गई। मझिला पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना करने के बाद शव को अपने कब्जे में लिया। सुरेश के शरीर पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं । परिजन हत्या की आशंका जाता रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक अभियोग दर्ज नहीं किया गया। पुलिस ने बताया कि शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के परिजनों से तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

पेंशनर जीवित प्रमाण पत्र ऑनलाइन या कोषागार में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें:-टी०ओ०

पेंशनर की मृत्यु की सूचना तुरन्त कोषागार में उपलब्ध करायें :-वरिष्ठ कोषाधिकारी

हरदोई। (अम्बरीष कुमार सक्सेना) वरिष्ठ कोषाधिकारी ने कोषागार से प्राप्त करने वाले समस्त पेंशनरों तथा पेंशनरों के पारिवारिक सदस्यों को अवगत कराया है कि जिन पेंशनरों द्वारा कोषागार में जीवित प्रमाण–पत्र न प्रस्तुत करने पर पेंशन रूक गयी है, वह अपना जीवित प्रमाण पत्र ऑनलाइन या कोषागार में उपस्थित होकर तत्काल प्रस्तुत करें।

उन्होने कहा है कि जिन पेंशनरों की मृत्यु हो गयी है उनके परिवार के सदस्य नैतिक एवं विधिक कर्तव्य का पालन करते हुए पेंशनर की मृत्यु की सूचना तुरन्त कोषागार में उपलब्ध करायें, और यदि ऐसे प्रकरण में मृत्यु के पश्चात पेंशन का भुगतान होने पर भू–राजस्व की भांति वसूली की जायेगी। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने सभी पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर से कहा है जो 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके है वह अपनी जन्म तिथि से संबंधित प्रमाण–पत्र लेकर कोषागार कार्यालय में उपस्थित हो।

पुलिस अधीक्षक ने 07 इंस्पेक्टर को स्थानांतरित किया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)एसपी केशव चन्द्र गोस्वामी ने महकमें में फेरबदल करते हुए 7 इंस्पेक्टर को इधर से उधर तैनात किया है।

एसपी केशव चन्द्र गोस्वामी ने रिट सेल के प्रभारी उमाकांत दीपक को बेनीगंज की कमान सौंपी है। वहीं एसएचओ अतरौली ब्रजेश कुमार मिश्रा के लम्बी छुट्टी पर जाने से वहां पाली थाने में तैनात एसएचओ धीरज कुमार शुक्ला को तैनात किया है। सण्डीला कोतवाली में तैनात इंस्पेक्टर (रिजर्व) अरविंद कुमार राय को पाली का एसएचओ बनाया है। जबकि टड़ियावां थाने में तैनात इंस्पेक्टर (रिजर्व) हरिनाथ यादव को कोतवाली शहर भेजा है।शाहाबाद कोतवाली में तैनात एसएचओ दिलेश कुमार सिंह को सवायजपुर की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं बेनीगंज में तैनात एसएचओ राजदेव मिश्रा अब एसएचओ शाहाबाद होंगे।सवायजपुर कोतवाली में तैनात एसएचओ सुनील कुमार सिंह का तबादला गैर जनपद में होने से वहां की कुर्सी खाली थी।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लिए करे आवेदन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)उपायुक्त उद्योग दुर्गेश कुमार ने बताया है कि प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवकध्युवतियों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत आवेदक को उ०प्र० का मूल निवासी होना चाहिए एवं उसकी आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आवेदक की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल अथवा समकक्ष होनी चाहिए। आवेदक किसी भी राष्ट्रीय बैंकधवित्तीय संस्थाध्सरकारी संस्था का चूककर्ता नही होना चाहिए। आवेदक द्वारा चयनित उद्यम यदि उत्पादन क्षेत्र में है तो परियोजना लागत रू० 25.00 लाख तथा सेवा क्षेत्र में रू0 10.00 लाख से अधिक नहीं होना चाहिए। सामान्य जाति के आवेदकों को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत तथा आरक्षित श्रेणी (अनु0जातिध्अनु0जनजातिध्अन्य पिछड़ा वर्गध्अल्पसंख्यकध्महिलाध दिव्यांगजन) हेतु परियोजना लागत का 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान लगाना होगा। योजनान्तर्गत परियोजना लागत का 25 प्रतिशत मार्जिन मनी दी जायेगी, जो दो वर्ष उद्यम के सफल संचालन पर अनुदान में बदल जायेगी। योजना के अन्तर्गत मात्र उत्पादन एवं सेवा क्षेत्र के ही उद्यम अच्छादित होंगे। आवेदक द्वारा पूर्व में संचालित प्रधानमंत्री रोजगार योजना वर्तमान में संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना या केन्द्र अथवा राज्य द्वारा संचालित अन्य किसी स्वरोजगार योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त नहीं किया गया हो। आवेदक द्वारा उसके किसी परिवार के अन्य सदस्य द्वारा योजनान्तर्गत केवल एक ही बार लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आवेदक द्वारा पात्रता शर्तों को पूर्ण करने के सम्बन्ध में शपथपत्र प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा। उपरोक्तानुसार अपना उद्योगध्उद्यम स्थापित करने के इच्छुक जनपद के शिक्षित बेराजगारों (नवयुवकोंध्नवयुवतियों) से वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु बेवसाईड ूकपनचउेउम–नचेकब–हवअ–पद अथवा ूउेउम–नच–हवअ–पद पर ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। योजनान्तर्गत अन्य विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, हरदोई से सम्पर्क कर सकते है।

सड़क नहीं बनने पर फूटा गुस्सा,टेंडर के 8 महीने बाद भी नहीं बनी सड़क

संवाददाता

लखनऊ। सड़क नहीं बनने से लोगों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। 8 महीने पहले टेंडर होने के बाद भी सड़क नहीं बनी तो ईस्माइलगंज वार्ड द्वितीय के गुलजार कॉलोनी के लोगों ने नगर निगम के खिनाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व पार्षद आरपी सिंह ने किया। आरपी सिंह ने बताया कि फरवरी के महीने में टेंडर हुआ था। उसके बाद सड़क का 20 फीसदी काम करने बंद कर दिया गया। अब इसकी वजह से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। प्रतिदिन हजारों लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्रतिदिन यहां से गुजरने वाले लोग घायल होते रहते है। ऐसे में स्थिति खराब हो गई है।

आरोपी को मिली कोर्ट से तीन साल से अधिक की सजा

अयोध्या। अभियोजन अधिकारी व प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी अयोध्या कैंट राकेश कुमार राय व उनकी टीम की पैरवी के चलते दो आरोपियों को (सिविल जज जूनियर डिवीजन महिला संबंधित अपराध)कोर्ट ने कारावास व अर्थदंड की सजा सुनाई।शनिवार को अभियोजन अधिकारी व थाना जीआरपी अयोध्या कैन्ट पुलिस टीम द्वारा अभियोग की प्रभावी पैरवी न्यायालय में करते हुए साक्ष्य हेतु महत्वपूर्ण गवाहों को न्यायालय में समय से प्रस्तुत कराकर गवाही करवायी गयी,सिविल जज जू0डि0 (महिला सम्बन्धित अपराध) फैजाबादध्अयोध्या द्वारा थाना जीआरपी अयोध्या कैन्ट आरोपी विजय प्रकाश तिवारी पुत्र पारस नाथ तिवारी निवासी लोहिया थाना सरपतहा जिला जौनपुर,को 03 वर्ष 09 माह 18 दिन व सह अभियुक्त शिवशंकर गौतम पुत्र स्वर्गीय रमई राम गौतम निवासी सराय त्रिलोकी थाना बदलापुर जिला जौनपुर को 03 वर्ष 07 माह 21 दिन का कारावास व 3000–300 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।वही अर्थदण्ड जमा न करने पर 15 दिवस का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई गई।

फंदे से लटकता मिला युवा साधु का शव

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

मृतक रतेंद्र मिश्रा अयोध्या में रहकर अपने भाई के साथ संस्कृत विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहा था। भैंसरहा थाना रामपुर नैकीन जिला सीढ़ी मध्य प्रदेश का था रहने वाला था मृतक, बड़ा भाई भी अयोध्या में रहकर कर रहा है संस्कृत की शिक्षा ग्रहण, हनुमानगढ़ी के मुख्य द्वार के समीप स्थित आश्रम में फांसी पर झूलता मिला मृतक, सूचना पर पहुंची पुलिस जुटी जांच में, थाना राम जन्मभूमि क्षेत्र के हनुमानगढ़ी मंदिर का मामला।

वाराणसी के रामेश्वर गांव का देश के सर्वश्रेष्ठ 35 पर्यटन गॉवों में चयन

संवाददाता

लखनऊ। घरेलू पर्यटन के मामले देश में पहले स्थान पर काबिज उत्तर प्रदेश रूरल टूरिज्म में काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में वाराणसी के रामेश्वर गांव का चयन देश के सर्वश्रेष्ठ 35 पर्यटन गांवों में हुआ है। इस श्रेणी में रामेश्वर को सिल्वर मिला है। गांव की खासियत यह है कि यहां ज्यादातर किसान आर्गेनिक खेती और बड़ी संख्या में गो–पालन करते हैं। करीब 1800 लीटर दूध प्रतिदिन यहां से बाजार में जाता है। पंचकोशी परिक्रमा पथ का एक पड़ाव रामेश्वर भी है। इसलिए यहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु और विदेशी पर्यटक आते हैं। राज्य सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को कई सुविधायें उपलब्ध करा रही है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार पर्यटन तथा प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय बनाने के लिए गंगा के किनारे स्थित विकास खण्डों में किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

पाली थाने पर इंस्पेक्टर धीरज कुमार शुक्ला को दी गई विदाई

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–हरदोई' एस पी केशव चंद गोस्वामी ने अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा कानून व्यवस्था को और भी अधिक सुदृढ़ बनाये रखने के उद्देश्य से जनहित में 07 निरीक्षकों व 01 उपनिरीक्षक का स्थानांतरण शुक्रवार को देर रात कर दिया है। इसी क्रम में पाली थाने के प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार शुक्ला का अतरौली थाने स्थान्तरण किये जाने के चलते पाली थाने पर शनिवार को समस्त पुलिस कर्मियों एवं क्षेत्र के संभ्रांत जनों और पत्रकारों ने इंस्पेक्टर धीरज कुमार शुक्ला के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया। जिसमें उन्हें फूल माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी गई। क्षेत्र के संभ्रांत जन और पत्रकारों ने इंस्पेक्टर धीरज कुमार शुक्ला के करीब पांच माह के कार्यकाल को काफी सराहा। इंस्पेक्टर धीरज कुमार शुक्ला ने अपने थोड़े समय के कार्यकाल में अपराधियों पर लगाम लगाकर जनता के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने पाली थाना क्षेत्र में लॉ एंड ऑर्डर को बेहतर तरीके से बनाये रखा साथ ही क्षेत्र में बड़ी वारदातों पर भी रोकथाम रही। उनकी कार्यशैली को यादकर लोग विदाई के समय भावुक दिखाई दिये। विदाई समारोह के उपरांत उन्होंने पाली की प्राचीन पंथवारी देवी मंदिर पर जाकर माथा टेका और माता पंथवारी देवी से आशीर्वाद लिया और अपनी नई तैनाती थाना अतरौली के लिये प्रस्थान किया। प्रभारी निरीक्षक के प्रस्थान के समय का माहौल गमगीन दिखाई दे रहा था। इस अवसर पर भाजपा नेता ओमप्रकाश मिश्रा पूर्व प्रधान अरुण कुमार मिश्रा, विमलेश गुप्ता, अनुज कुमार शुक्ला, सुरमा मिश्रा,रामनिवास त्रिवेदी, पत्रकार जनार्दन श्रीवास्तव विष्णु कांत बाजपेई,गोपाल मिश्रा, उपनिरीक्षक श्रीपति मौर्य, उप निरीक्षक सूरज कुमार, उपनिरीक्षक अशोक कुमार, उप निरीक्षक शकील अहमद, कांस्टेबल अमित कुमार, कांस्टेबल बृजेश कुमार यादव, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रथम 03 माह में 7665 प्रकरणों में 10487 अभियुक्तों को सजा दिलायी गयी, जो एक रिकॉर्ड है : डीजीपी

गत वर्षों की तुलना में सजा में ४००: से १०००: की वृद्धि हुई :डीजीपी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा अपराध, अपराधियों एवं माफियाओं के विरूद्ध जीरो श्टॉलरेंस की नीति तथा अपराध होने पर उनकी शीघ्र गिरफ्तारी एवं न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर उनको कठोर सजा सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए गए है। इस पर और बल देते हुए मिशन मोड में कार्यवाही किये जाने के उद्देश्य से प्रदेश में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने, अपराधियों के विरूद्ध मा) न्यायालय में विचाराधीन मुकदमों की पैरवी कर अधिकाधिक सजा कराये जाने के उद्देश्य से पलिस मुख्यालय स्तर से दिनांक 01 जुलाई, 2023 से प्रदेश में ष्ऑपरेशन कन्विक्शनष अभियान आरम्भ किया गया–

1. अभियान के दौरान प्रथम 03 माह में 7665 प्रकरणों में 10487 अभियुक्तों को सजा
दिलायी गयी, जो एक रिकॉर्ड है।
2. गत वर्षों की तुलना में सजा में 400: से 1000: की वृद्धि हुई है ।
3. अभियान के मात्र 03 माह में
02 आतंकियों समेत 10 अभियुक्तों को मृत्युदण्ड ।

1142 अभियुक्तों को आजीवन कारावास । 189 अभियुक्तों को 20 वर्ष की सजा ।

722 अभियुक्तों को 10 वर्ष या अधिक की सजा ।

बालिकाओं के साथ बलात्कार के कई मामलों में मात्र 03 माह में फाँसी या कारावास की सजा कराई गई है।

4. सजा का प्रतिशत 35: से बढ़कर 90: हुआ । पुलिस मुख्यालय स्तर पर दिनांक 01.07.2023 से अपराध पर प्रभावी नियन्त्रण हेतु व्चमतंजपवद ब्वदअपबजपवद आरम्भ किया गया। इस हेतु अपर पुलिस महानिदेशक, एटीएस उत्तर प्रदेश, मोहित अग्रवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।अपर पुलिस महानिदेशक, एटीएस उत्तर प्रदेश, मोहित अग्रवाल के निकट पर्यवेक्षण में एक कन्विक्शन पोर्टल बनाया गया है, जिस पर प्रतिदिन न्यायालय द्वारा दण्डित प्रकरणों के सम्बन्ध में सूचनाएं अपडेट की जाती है। साथ ही इस पोर्टल पर अगले एक सप्ताह में किन– किन मामलों की सुनवाई न्यायालय द्वारा की जानी है और किन–किन गवाहों को पेश कराया जाना है, इसकी सूचना भी सम्बन्धित जनपदों द्वारा अपडेट की जाती है। उक्त सूचना के आधार पर सम्बन्धित जनपद गवाहों को न्यायालय में पेश कराना सुनिश्चित करते हैं, जिसकी मॉनिटरिंग सम्बन्धित पुलिस अधीक्षक, नोडल अधिकारी एवं पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय द्वारा स्वयं की जाती है।

पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रदेश के समस्त जनपद प्रभारियों की अपकमव बवदमितमदबम कर प्रत्येक जिले में एक ष्डवदपजवतपदह ब्मसस गठित करने के निर्देश दिए गये एवं प्रत्येक पुलिस आयुक्त ध पुलिस अधीक्षक को महिला उत्पीड़न ध बलात्कार ध च्व्ब्ै एवं सनसनीखेज अपराध के मुकदमे चिह्नित कर, चिह्नित मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को सजा दिलाने के निर्देश दिये गये। इस क्रम में सम्पूर्ण प्रदेश में गम्भीर ध सनसनीखेज अपराध के 5163 प्रकरण, महिला उत्पीड़न ध च्व्ब्ै के 14903 प्रकरण व माफियाओं से सम्बन्धित 686 प्रकरण त्वरित सजा दिलाने हेतु चिह्नित किए गये।

पुलिस मुख्यालय स्तर से इस सम्बन्ध में प्रतिदिन उवदपजवतपदह की गयी व सभी पुलिस आयुक्तध पुलिस अधीक्षकों को भी प्रतिदिन उवदपजवतपदह करने के निर्देश दिए गये।

इन सभी प्रकरणों को माननीय न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर वरीयता क्रम में सुनवाई हेतु लगवाया गया एवं सुनिश्चित किया गया कि जिन गवाहों को माननीय न्यायालय द्वारा गवाही हेतु बुलाया गया है, वह समय से माननीय न्यायालय में प्रस्तुत हों । जिलों में थानाध्यक्षों, विवेचकों, अभियोजन अधिकारी व सरकारी वकीलों की भी नियमित बैठकें की गयी।

उक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप अभियान के प्रथम 03 माह (01.07. 2023 से 06.10.2023) के मध्य 7665 मुकदमों में 10487 अपराधियों को माननीय न्यायालय द्वारा सजा सुनाई गयी। इसमें 10 अभियुक्तों को मृत्युदण्ड, 1142 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 189 अभियुक्तों को 20 वर्ष की कैद, 722 अभियुक्तों को 10 वर्ष से अधिक की कैद व 8424 अभियुक्तों को 01 से 10 वर्ष की कैद सुनाई गयी है। इसमें वह सजाएं सम्मिलित नहीं हैं, जिनमें माननीय न्यायालय द्वारा केवल अर्थदण्ड ध जुर्माना लगाया गया है।गत वर्षों की तुलना में सजाओं की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। वर्ष 2020 की प्रतिमाह सजाओं की संख्या में लगभग 10 गुना, 2021 की तुलना में लगभग 6 गुना व 2022 की तुलना में लगभग 4 गुना वृद्धि हुई है।

रिक्जा खान एवं कंचन यादव ने स्वर्ण पदक जीतकर राजधानी का मान बढ़ाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

दुबग्गा, लखनऊ। स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा अहमदाबाद गुजरात में टैक्वेंडो के लिए आयोजित दो दिवसीय सी. आई. एस. सी. राष्ट्रीय प्रतियोगिता में लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल फरीदीपुर की छात्राओ रिक्जा खान एवं कंचन यादव ने क्रमसरू (भारिता – 63 किलोग्राम एवं 46 किलोग्राम) में स्वर्ण पदक जीतकर स्वयं का और विद्यालय का नाम रोशन किया और एस. जी. एफ. आई. राष्ट्रीय खेलों में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

विद्यालय प्रबंधक अवधेश सिंह एवं निर्देशक अमित सिंह तथा प्रधानाचार्य गुंजन खत्री ने उनकी इस सफलता के लिए उन्हें बधाई दी और उनका उत्साह वर्धन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जयवीर सिंह फिरोजाबाद एवं मैनपुरी दौरे पर

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह बरेली में समीक्षा के उपरान्त फिरोजाबाद पहुंचे। कल 07 अक्टूबर को पूर्वाह्न 09 बजे सैनिक स्कूल मैनपुरी में राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट द्वारा आयोजित पुस्तक मेले का शुभारम्भ करेंगे। इसके उपरान्त शिविर कार्यालय निकट रेलवे क्रासिंग करहल रोड मैनपुरी में जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। अपराह्न 02 बजे होटल बीकानेर एक्सप्रेस–वे, राधारमन रोड मैनपुरी में वर्ष 1976 मैनपुरी में इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण अल्मुनाइज ग्रुप द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में शामिल होंगे।

चिट्ठी न कोई संदेश,न जाने चले गए किस देश

संवाददाता

लखनऊ। लोग कहते हैं कि ईश्वर दिखाई नहीं देता परंतु सही मायने में ईश्वर का स्वरूप हमसे ही किसी मनुष्य रूपी सत्य पुरुष में हमारे इर्द–गिर्द विद्यमान रहता है ,परंतु हम पहचान नहीं पाते। जब वह हमसे बहुत दूर इस दुनिया में दूसरी दुनिया में चला जाता है तब हमें इसका आभास होता है, परंतु तब तक देर हो जाती है। अपनों को तो सभी तर्पण करते हैं परंतु आज मैं अपना तर्पण एक ऐसे व्यक्तित्व को अर्पित है जिससे परिचय बहुत सूक्ष्म था। परिचय भी केवल हां या न का बहुत नजदीकी नहीं। ऐसे ही व्यक्तित्व के धनी विज्ञान राम मिश्रा प्रयागराज इलाहाबाद के जिला जज थे और मैं एक साधारण पुस्तक विक्रेता बेचने वाला। रतन सिंह कृष्ण बुक हाउस हजरतगंज लखनऊ कहते हैं किवह वास्तव में दिव्य पुरुष थे। मुझे उनके चेहरे में एक अजीब सी चमक महसूस होती थी जैसे वह वास्तव में सत्यता की प्रतिमूर्ति हो वह हमारे बुक स्टॉल पर पुस्तक पत्रिकाएं खरीदने अक्सर आया करते थे उनकी गाड़ी के रुकते ही उनके अर्दली कार का दरवाजा खोलता और उनके कार से उतरते ही उनके सिपाही उनके दाएं बाएं खड़े हो जाते हैं मैं सर झुकाए उन्हें प्रणाम करता। उनका एक हाथ मेरे सिर पर स्नेह पूर्वक आशीर्वाद के लिए होता और पूछ बैठते हैं कि ठीक हो मैं उनके सवालों का हां या न में उत्तर देता और बहुत ही कम शब्दों में बात मुझसे कहते हैं पुस्तक पत्रिकाएं खरीदते मूल्य देते और चले जाया करते थे ।यह सिलसिला कई वर्षों तक चल रहा था पद या रुतबे का उन्हें कोई अभिमान नहीं था ।उन्होंने कभी भी मुझे अपने और मेरे बीच का एहसास नहीं होने दिया ।मुझे अपने बेटे की तरह मानते थे और बिना किसी लोभ या द्वेष के मेरी हर संभव सहायता के लिए तत्पर रहते थे मुझसे अक्सर कहा करते थे कभी परेशानी हो तो मुझे जरूर बताना। मुझे तो जैसे साक्षात व ईश्वर के रूप में मिल गए हो। लगता था आज तक मेरा अपने जीवन में ऐसे विशाल हृदय वाले व्यक्ति से सामना नहीं हुआ। उनके नजदीकी रहकर भी हम बहुत खुश थे तभी एक दिन मुलाकात में उन्होंने बताया, मैं सेवानिवृत्त होने वाला हूं तुम मेरे सेवानिवृत्त कार्यक्रम में प्रयागराज इलाहाबाद जरूर आना। मैं किसी अनहोनी से अज्ञात निश्चित तिथि 31 जुलाई 2014 को उनके शहर लखनऊ से प्रयागराज इलाहाबाद पहुंचा ।वहां पहुंचकर मैंने तब उन्हें फोन मिलाया तो पहली बार में फोन नहीं लगा।

जिले में तेजी से डेंगू व टाइफाइड का बढ़ रहा कहर

पर्चा काउंटर से लेकर वार्डो में मरीजों से दिख रही भारी भीड़

अयोध्या। डेंगू का कहर इस समय जिले में अपना पांव पूरी तरह से पसार चुका है।जिसका अंदाजा जिला चिकित्सालय में चारो ओर मरीजों की भीड़ से लगाया जा सकता है।जिला चिकित्सालय के पर्ची काउंटर, डेंगू वार्ड सहित अन्य कई वार्डों में मरीजों की भारी संख्या में भीड़ दिखाई दे रही है।वही अगर देखा जाए तो जिला चिकित्सालय में टायफाइड फीवर से पीड़ित खासकर छोटे छोटे बच्चों से भी बच्चा वार्ड पूरी तरह से भरा हुआ था।शनिवार को जिला चिकित्सालय परिसर में बने पर्चा काउंटर पर मरीजों व उनके तीमारदारों की लंबी भीड़ लगी हुई थी। जिससे यही अंदाजा लगाया जा सकता था कि जिले में में डेंगू का प्रकोप तेजी से फैल रहा है।डेंगू वार्ड में अधिकतर बेड भरे हुए दिखाई दे रहे हैं।वही बच्चा वार्ड में टाइफाइड बुखार से पीड़ित बच्चों से सभी बेड भरा हुआ है। हालात इतनी खराब हो गई है कि जिला चिकित्सालय कर्मियों के लापरवाही के चलते बच्चा वार्ड में एक एक बेड पर दो दो बच्चों का इलाज चल रहा है।डेंगू व टाइफाइड से बचाव को लेकर सफाई की व्यवस्था कौन कहे यहां पर हर जगह गंदगी ही गंदगी दिखाई दे रही हैं।हैरानी की बात तो यह है कि आये दिन इस चिकित्सालय का निरीक्षण सीएमओ,अपर निदेशक स्वास्थ्य के अलावा अन्य उच्चाधिकारी करते हुए दिखाई दे रहे हैं परंतु सेफ्टिक वार्ड की ओर किसी भी अधिकारी की नजर नहीं जा रही है।उस वार्ड में सबसे अधिक गंदगी दिखाई दे रही है।उधर से ही होकर डेंगू वार्ड, बच्चा वार्ड, ईसीजी वार्ड,आईसीयू वार्ड सहित अन्य प्रमुख वार्ड में लोग जाते है।वही इस संबंध में सीएमओ डॉ संजय जैन ने बताया कि उन्होंने इस समस्या के निराकरण के सीएमएस पुरुष डॉ बृज कुमार को सख्त हिदायत दिया है। डेंगू पर उन्होंने बताया कि अभी तक तक जिले में कुल 176 मरीज चिन्हित किए गए हैं।जिसमें 155 मरीजों का इलाज किया गया है।वही 21 मरीजो का अभी भी इलाज चल रहा है। गनीमत यह है कि अभी तक डेंगू से पीड़ित किसी रोगी की मृत्यु नहीं हुई है। सीएमओ डॉ जैन ने बताया कि डेंगू के इलाज के लिए जिला अस्पताल से लेकर सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर समुचित प्रबंध किए गए हैं।जिला अस्पताल में मच्छर युक्त 10 बेड आरक्षित भी करते हुए दवाएं भी उपलब्धद्द है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि डेंगू से घबराने की जरूरत नहीं हैं।यह बुखार होते ही आसपास के निजी चिकित्सालय व सरकारी अस्पताल में डॉक्टर को दिखाएं पढ़े–लिखे डॉक्टर से इलाज कराते।झोला छाप डॉक्टर से इलाज न कराये।कूलर,टंकी नाली के अलावा घर के आसपास पानी इक्कठा ने होने दे। फुल आस्तीन के कपड़े,मोजे भी पहने। वही साफ सफाई का ध्यान रखें।

प्रसिद्ध कार्डियो वास्कुलर और पलमोनरी फिजियोथैरेपिस्ट काइरोप्रैक्टर डॉक्टर हरीश ग्रोवर के मुताबिक दर्द को ना दें दावत : प्रमोद जायसवाल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 07अक्टूबर । वर्तमान समय में असामयिक दिनचर्या और भागदौड़ व तनाव भरी जिंदगी जी रहे लोगों के समक्ष एक और नई चुनौती खड़ी हो रही है खासकर युवा वर्ग इसकी चपेट में है जिन्हें शरीर में तमाम तरह की दिक्कतों के साथ जगह–जगह होने वाले दर्द से भी जूझना पड़ रहा है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का ज्यादा प्रयोग करने से लोगों को तमाम तरह की दिक्कतें उत्पन्न हो रही हैं जैसे कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन ने काम करने का तरीका आसान बना दिया है लेकिन इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी तमाम परेशानियों से लोगों को जूझना पड़ रहा है। अपने उठने, बैठने, काम करने के तरीकों से अधिकांश लोग नस एवं मांसपेशियों से संबंधित तमाम बीमारियों की चपेट में आ जा रहे हैं। श्आ बैल, मुझे मारश की तर्ज पर दर्द को दावत दे रहे हैं। गुरुग्राम , हरियाणा के प्रसिद्ध कार्डियो वास्कुलर और पलमोनरी फिजियोथैरेपिस्ट काइरोप्रैक्टर डॉक्टर हरीश ग्रोवर के मुताबिक कार्यस्थल पर सावधानी न बरतने के कारण वर्तमान में बड़ी संख्या में युवा वर्ग पीठ, कमर, गर्दन आदि दर्द से परेशान है। अगर अपनी जीवन शैली तथा काम करने के तरीकों को व्यवस्थित कर लें तो इन परेशानियों से काफी हद तक बचा जा सकता है।

शसिटिंग इज न्यू स्मोकिंग

लगातार बैठना नया धूम्रपान है।। दर्द की दुनिया में इनदिनों यह मुहावरा तेजी से प्रचलित है। कारपोरेट जगत में लंबे समय तक काम पर बैठने की जरूरत होती है। कार्यस्थल पर कंप्यूटर या लैपटॉप के सामने बैठकर घंटों काम करना पड़ता है। इससे युवा वर्ग कई बीमारियों की चपेट में आ रहा है। लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने से पीठ, गर्दन, हाथ और पैरों पर बहुत दबाव पड़ता है। पीठ की मांसपेशियों और रीढ़ की हड्डी की डिस्क पर जोर पड़ता है। टेलबोन चोटिल हो जाता है। घर पर टेलीविजन के सामने भी लंबे समय तक बैठना दर्द की समस्याओं को जन्म दे रहा है।

गर्दन झुकाकर मोबाइल ,लैपटॉप चलाना खतरनाक

गर्दन झुकाकर मोबाइल फोन व लैपटॉप के इस्तेमाल से गर्दन व रीढ़ की हड्डी पर असर पड़ता है। एक पोजीशन में ज्यादा देर तक बैठकर काम करने से गर्दन और रीढ़ की हड्डी में दिक्कत पैदा होने लगती है साथ ही बॉडी पोश्चर भी बिगड़ता है। आगे की तरफ ज्यादा झुकाव होने की वजह से रीढ़ की हड्डी का उभार बढ़ने लगता है। वह टेक्स्ट नेक सिंड्रोम का शिकार हो जाता है। गर्दन, पीठ, कंधों में दर्द के अलावा सिर दर्द की भी समस्या प्रारंभ हो जाती है। पीठ के ऊपरी हिस्से और कंधे में जकड़न शुरू हो जाता है।

झुककर ब्रश करने से भी आती है दिक्कत

आमतौर पर लोग वॉश बेसिन के सामने झुककर दांतों में ब्रश, कुल्ला आदि करते हैं। झुककर ब्रश करना कम खतरनाक नहीं है। इससे सिर, गर्दन और पीठ के निचले हिस्से पर दबाव पड़ता है। स्–4, स्–5 तथा ै–1 डिस्क दबती है और कमर में जकड़न, दर्द, सूजन, पैरों में झनझनाहट, तलवे में जलन की समस्या शुरू हो जाती है। इसके अलावा छींकते, खांसते व गला साफ करते समय भी सावधानी बरतना जरूरी है।

पैंट के पीछे जेब में पर्स रखने से बचें

लोग पर्स रखने के लिए अपनी पैंट के पीछे वाली जेब का इस्तेमाल करते हैं। कई घंटे तक पर्स को पीछे की जेब में रखने से फैट वॉलेट सिंड्रोम हो सकता है। इससे चलना, फिरना, उठना, बैठना दूभर हो सकता है। दरअसल पीछे पाकेट में पर्स रखने से कूल्हे के पास नस दबता है जो साइटिका की बीमारी को जन्म देता है। इससे स्पाइन में टेढ़ापन आ सकता है। कूल्हा ऊपर नीचे हो सकता है। पैर छोटा बड़ा हो सकता है। साइटिका नस में सूजन से दर्द, झनझनाहट व जलन भी हो सकता है। हाई हील से घुटनों पर पड़ता है दबाव

लगातार हाई हील पहनने से टखनों और घुटनों पर भारी दबाव पड़ता है। हाई हील के जूते और सैंडल पैरों को प्राकृतिक तरीके से घूमने से रोकते हैं जिससे शारीरिक परेशानियां शुरू हो जाती है। इससे एड़ी में दर्द, घुटनों व कमर में दर्द, मांसपेशियों में सूजन, नसों में दबाव के साथ कभी कभी उंगलियों में टेढाघ्पन भी आ जाता हैघ्। इससे गठिया के लक्षण भी बढ़ जाते हैं। पैर की उंगलियों में दबाव पड़ने से पोश्चर भी प्रभावित होता है।

जिम में भी बरतें सावधानी

युवाओं में जिम जाने का फैशन तेजी से बढ़ा है मगर जिम में वर्कआउट करते समय सावधानी रखना जरूरी है अन्यथा आप जिम इंजरी का शिकार हो सकते हैं। एक्सरसाइज शुरू करने से पहले वार्मअप और स्ट्रेचिंग आवश्यक है। हैवी बेंच प्रेस के दौरान डम्बल या बार्बेल का बैलेंस बिगड़ने से पेक्टोरल इंजरी आ सकती है। घ्ज्यादा वजन उठाने से घुटना चोटिल हो सकता है। कलाई में खिंचाव आ सकता है जो दर्द का कारण बन सकता है। मांसपेशियों पर अधिक दबाव से चेस्ट मसल्स में इंजरी हो सकती है अगर कोई वर्कआउट सही तरीके से नहीं किया जाता है तो वह फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचा देता है।

सरोजनीनगर को मिली अब तक की सबसे बड़ी पेयजल की सौगात, डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया भूमिपूजन

संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2024 तक भारत के हर घर तक जल पहुंचाने की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने क्षेत्र की जनता को शुद्ध पेयजल का बड़ा तोहफा दिया। शुक्रवार को विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने अमृत 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत 150 करोड़ रुपये की लागत से सरोजनीनगर प्रथम, सरोजनीनगर द्वितीय एवं इब्राहिमपुर प्रथम वार्ड में की पेयजल योजना का भूमिपूजन किया। इस अभूतपूर्व अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भागीदार बनें। पिपरसंड मार्ग, स्कूटर इंडिया गेट नंबर–2 के निकट गौरी में आयोजित पेयजल योजना के शिलान्यास कार्यक्रम में डॉ. राजेश्वर सिंह ने विधि–विधान व मंत्रोच्चार के साथ पेयजल योजना का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इसके साथ ही सरोजनीनगर की जनता के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। अब सरोजनीनगर प्रथम, सरोजनीनगर द्वितीय एवं इब्राहिमपुर प्रथम वार्ड में साफ पानी की कमी दूर होगी और यहां रहने वाले 24,363 परिवारों को सीधे तौर पर लाभ मिल सकेगा। घरों में नल से पीने योग्य जल पहुंचाने के लिए 29 गहरे ट्यूबवेल, पंप हाउस, 6 ओवरहेड जलाशय, 4 भूमिगत जलाशय, 36 किमी राइजिंग मेन, 295 किमी पाइपलाइन बिछायी जाएंगी तथा 6 स्टाफ क्वार्टर व एससीएडए ऑटोमेशन सिस्टम का भी निर्माण किया जाएगा। इससे लोगों को पानी लेने के लिए कहीं दूर नहीं जाना पड़ेगा और हर घर 24 घंटे पीने योग्य पानी उपलब्ध होगा।

इस दौरान डॉ. राजेश्वर सिंह ने सरोजनीनगर के हर घर के नल से स्वच्छ जल पहुंचाने का संकल्प भी दोहराया तथा हर घर जल योजना की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता का परिणाम है कि आज भारत के 63 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को जलापूर्ति की जा रही है। देश में हर एक सेकेंड में एक घर में नल लगे और हर दिन 84 हजार से ज्यादा पानी के कनेक्शन दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 1 करोड़ 68 लाख नल कनेक्शन दिए गए हैं।

स्वच्छ जल की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि महिलाओं का 6 करोड़ 66 लाख घंटे प्रति वर्ष का समय जल भरकर लाने में व्यर्थ हो जाता है, हर घर नल से जल पहुंचने से उनका समय बचेगा और वे देश की प्रगति में अपना योगदान दे सकेंगी। स्वच्छ जल पहुंचाकर लगभग 1.36 लाख बच्चों की गन्दा पानी पीने की वजह से होने वाली मौतें टाली जा सकती हैं। भूजल दोहन के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए सरोजनीनगर विधायक ने कहा कि सरोजनीनगर में 30 सेंटीमीटर प्रतिवर्ष जल का स्तर गिर रहा है। इस प्रकार अलग–अलग हिस्सों में एक फुट से तीन फुट के बीच लगातार जल का स्तर गिर चुका है। लखनऊ में 750 सरकारी ट्यूबवेल और लगभग 550 निजी ट्यूबवेल हैं, 60 हजार घरों में सबमर्सिबल लगा है जिसके कारण भूजल का स्तर गिर रहा है। लखनऊ में लोग 80: भूजल पर निर्भर है, 1.6 मिलियन लीटर भूगर्भ से निकाला जाता है। हर घर जल योजना के माध्यम से हर घर जल पहुंचेगा तो भूजल दोहन कम होगा। लखनऊ जिसे तलाबों का शहर कहा जाता था लेकिन आज तलाब सूख रहे हैं, यह चिंता का विषय है, हमारे भविष्य के लिए भूजल दोहन को रोकना होगा। कार्यक्रम में जल निगम अधिशासी अभियंता मनोज कुमार सिंह, सहायक अभियंता एमए खान, शिव शंकर चच्चू, शंकरी सिंह, रमा शंकर त्रिपाठी, गंगाराम भारती, पार्षद गीता देवी, केएन सिंह, बृजमोहन सिंह, राम नरेश रावत, अतुल शुक्ला, लवकुश रावत, संजय सिंह चौहान समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

एस के डी डिग्री कॉलेज के बी. एफ. ए. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने अपनी कलकृतियों का किया प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस के डी डिग्री कॉलेज के बी. एफ. ए. बेचलर ऑफ फाइन आर्ट्स के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस पर अपनी कलकृतियों का प्रदर्शन करके भाग लिया ।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महा विद्यालय के ललित कला संकाय विभाग में विद्यालय के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में श्री कृष्ण दत्त अकैडमी डिग्री कॉलेज वृंदावन योजना लखनऊ के बैचलर ऑफ फाइन आर्ट के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों (।कलॅ ।नासं, नवीन कुमार गौतम, अदिति चौधरी, शिवांगी पांडे, प्रीति कुमारी, कृतिका आनंद, करिश्मा नकवी, निवेदिता दास) के द्वारा उनके प्रोफेसर डत. बेंदकतं ।मीींत, ंदक डत. स्वामी ज्ञनउंत के सहयोग से कला प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें छात्रों द्वारा बनाई गयी विभिन्न कलकृतियों एवं पेंटिंग्स का प्रदर्शन किया गया। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन, समाज कल्याण के प्रमुख सचिव डॉक्टर हरिओम,

ललित कला अकादमी लखनऊ के पूर्व अध्यक्ष सीताराम कश्यप एवं एस के डी अकादमी डिग्री कॉलेज के रजिस्ट्रार श्री सुभाष तिवारी आदि उपस्थित रहे। एस के डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने बच्चों के इस प्रतिभाग लेने के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रदर्शन व प्रतियोगिता में भाग लेते रहने से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है साथ ही बहुत कुछ सीखने को मिलता है जिससे उज्जवल भविष्य की संभावनाए बढ़ती हैं ।

पुत्रों की दीर्घायु के लिए किया जियुतिया माता का पूजन अर्चन

पवित्र नदी ,तालाब के किनारे बाजे गाजे के साथ समूह में पहुँची महिलाएं

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में लोक आस्था का पर्व जीवित्पुत्रिका का पूजा अर्चना धूमधाम से माता बहनों द्वारा किया गया। जीवित्पुत्रिका का निर्जला ब्रत रखते हुए शुक्रवार को बड़ी संख्या में महिलाओं ने सायं 4 बजे पवित्र नदी व तालाब के किनारे पहुँच कर पूजन अर्चन किया। थाल में पांच फल, मिष्ठान,वस्त्र आदि के अलावा पूजन सामग्री लिए डीजे की धुन पर भजन गाती समूह में पहुंची महिलाओं ने जियुतिया माता की कथा का श्रवण कर हवन करते हुए अपने पुत्रों की दीर्घायु का आशीर्वाद मांगा।इसी प्रकार नगर के पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित शगुन पैलेस के सामने व्रती माताओ ने विधि विधान से माता की पूजा किया इसी क्रम में क्षेत्र के शेरवा गांव स्थित पावन हनुमानगढ़ी धाम के तालाब किनारे आस पास के कई गांवों की महिलाओं ने पूजन अर्चन किया देर रात तक सोहर,पचरा और भजन के मधुर स्वर सुनायी देते रहे। व्रत के बारे में ऐसी मान्यता प्राचीन काल से प्रचलित है कि जिन लोगो को पुत्र होते है।वही ये व्रत कर सकती है।साथ ही इस व्रत के करने से लोगो को पुत्र की प्राप्ति होती है।

ट्रेन से कटकर एक व्यक्तिकी मौत, एक ने लगाई फांसी

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

बीकापुर। 07 अक्टूबर को समय लगभग 6रू30 पर सूचना मिली कि खजुरहट रेलवे स्टेशन के पास में एक व्यक्ति दो ट्रैकों के बीच में मृत अवस्था में पड़ा है । जिस पर कोतवाल राजेश कुमार राय मौके पर जाकर देखे और इकट्ठा हुए लोगों से जानकारी की गई तो मालूम हुआ कि मृतक राम यस उपाध्याय पुत्र जगन्नाथ उम्र लगभग 70 वर्ष निवासी मंगरी थाना कोतवाली बीकापुर जनपद अयोध्या जो पैदल पैदल खजुराहट रेलवे स्ट्रेशन से होते हुए अपने घर ट्रैक पकड़ कर सात आठ बजे के बीच में जाते हुए दिखाई दिया था पूछने पर बताया था कि ऐसे ही किनारे किनारे घर चले जाएंगे परंतु घर नहीं पहुंचा वहां पर लोहे का एक पिलर गड़ा है जिसके पास में इसका सर आगे से पूरा चेहरा डैमेज होकर के बाहर फेंका गया है ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रेन की चपेट में आने पर तेज हवा से वह जाकर पिलर से टकरा गया और उसका आगे से पूरा चेहरा सिर फटने से उसकी मृत्यु हुई है । सूचना पर परिजन आ गए हैं एरिया जीआरपी का होने के कारण पंचायत नामा की कार्रवाई उनके आने पर की जाएगी।

दूसरी घटना की सूचना मिली कि ग्राम असरेवा, वन राजा का पुरवा में संदीप बनराजा पुत्र श्याम बहादुर उम्र लगभग 24 वर्ष अपने घर में हैंगिंग कर लिया है इस सूचना पर मौके पर जाकर देखा गया तो वह अपने घर में लटका हुआ था जानकारी करने पर मालूम हुआ कि संदीप शराबी प्रवृत्ति का था जो बीवी से कुछ कहा सुनी होते ही घर के अंदर जाकर दरवाजा बंद कर लिया और लटक गया मृतक की बॉडी को गाड़ी से मर्चरी भेजवा दिया गया है।

दो दिवसीय दौरे पर आज केदारनाथ जाएंगे सीएम योगी, तैयारियों में जुटे अधिकारी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार से अपने दो दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड के केदारनाथ में रहेंगे। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग ने सीएम योगी के निर्धारित कार्यक्रम को लेकर जनपद स्तरीय अधिकारियों को उनसे संबंधित आवश्यक तैयारियां एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीएम योगी आदित्यनाथ 07 अक्टूबर को दोपहर दो बजकर 40 मिनट पर हैलीपैड़ पीटीसी ग्राउंड नरेंद्रनगर से हैलीकॉप्टर के माध्यम से जनपद हेतु प्रस्थान कर 03.20 बजे श्री केदारनाथ हैलीपैड़ पहुंचेंगे। 03.25 बजे केदारनाथ हैलीपैड़ से प्रस्थान कर 03.30 बजे जीएमवीएन गेस्ट हाउस केदारनाथ पहुंचेंगे। रात्रि विश्राम केदारनाथ में करेंगे। 08 अक्टूबर (रविवार) को प्रातः 08.30 बजे जीएमवीएन गेस्ट हाउस केदारनाथ से प्रस्थान कर 08.40 बजे केदारनाथ हैलीपैड पहुंचेंगे। प्रातः 08.45 बजे केदारनाथ हैलीपैड से प्रस्थान कर 09.25 बजे बद्रीनाथ हैलीपैड पहुंचेंगे। जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार ने सीएम योगी के उपरोक्त निर्धारित कार्यक्रम को लेकर जनपद स्तरीय अधिकारियों को हैलीपैड़ एवं कार्यक्रम स्थल पर शांति, कानून, यातायात व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संपादन हेतु तैनाती के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के श्री केदारनाथ धाम में आगमन से विदाई तक के लिए अपर जिलाधिकारी बीर सिंह बुदियाल मुख्य कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड तथा संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान ऑल ओवर मजिस्ट्रेट होंगे।

हर शुक्रवार एक ब्लॉक के दो गांव में ग्राम चौपाल का आयोजन कराया जाता है: अजय तिवारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। फतेहपुर के विकासखंड धाता क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत परसिदपुर में खंड विकास अधिकारी अजय कुमार तिवारी द्वारा हर शुक्रवार एक ब्लॉक के दो गांव में ग्राम चौपाल का आयोजन कराया जाता है जिसमें आज विकासखंड धाता के खंड विकास अधिकारी अजय कुमार तिवारी ने ग्राम परसिद्धपुर में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम वासियों की समस्या सुनी व निस्तारण किया। मौके पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, ग्राम विकास अधिकारी हेमंत सिंह, ग्राम प्रधान, समूह की महिलाएं व अन्य ग्राम वासी उपस्थित रहे।

बी-पैक्स सदस्यता महाअभियान, 28 लाख से ज्यादा नए सदस्य हुए शामिल

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सितंबर माह में शुरू किए गए बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान–2023 में कुल 28 लाख 85 हजार बी–पैक्स में नए सदस्य बने और 69 करोड़ 8 लाख रुपए की भी अर्जित की गई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश में यह महा अभियान चलाया गया था । जिसमें 20 लाख लक्ष्य रखा गया था। बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान में जिला सहकारी बैंकों का कैपिटल बेस मजबूत होने के साथ ही ऋण वितरण में वृद्धि भी हुई। बी–पैक्स को 10 लाख तक की कैश क्रेडिट लिमिट दी जाएगी, जिससे किसानों को बी–पैक्स के माध्यम से खाद,बीज की से सुविधा उपलब्ध होगी। उत्तर प्रदेश में चलाए गए इस महाअभियान के दौरान बी–पैक्स में बने कुल 28 लाख 85 हजार सदस्यों में 18.77 लाख लघु किसान (2 हेक्टेयर से कम जोत), 48,570 बड़े किसान (2 हेक्टेयर से अधिक जोत) के साथ ही 2 लाख एक हजार कुशल श्रमिक, 4 लाख 86 हजार ऐसे श्रमिक जो कार्य कुशल नही है, 2 लाख 62 हजार पशुपालक और 7,633 मछली पलको ने बी–पैक्स की सदस्यता ग्रहण की।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।